



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

६६८] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 22, 1988/पौष 1, 1910  
No. 668] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 22, 1988/PAUSA 1, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रहित रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(शेयर बाजार प्रभाग)

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1988

अधिसूचना

का.आ. 1194(अ) --केंद्रीय सरकार, मध्य प्रवेश स्टाक एक्सचेंज लिमिटेड, इंदौर (जिसे इसमें  
के पञ्चास उपर्युक्त एक्सचेंज कहा गया है) के द्वारा प्रतिभूति सविदा (विनियमन) अधिनियम, 1936  
1936 का 42वा) की धारा 3 के अन्तर्गत मान्यता के लिए दिए गए आवेदन पत्र पर विचार करने और  
आत से आशुद्ध होने के बाद कि ऐसा करना व्यापार के हित में तथा लोकहित में भी होगा, उपर्युक्त

299 GI/88

(1)

प्रधिनियम, की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा उक्त एक्सचेंज को उपर्युक्त प्रधिनियम की धारा 4 के अन्तर्गत स्थाई प्राधान्य पर प्रतिभूतियों के संबंध में सविधानु निर्माण करने के लिए ऐसी अन्य शर्तों के अनुसार जो बाह में निर्धारित की जाएगी अथवा लागू की जाएगी, मान्यता प्रदान करनी है।

[म. एक 1(101)/एम. ई./88]

एम. वरदाचारी, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Stock Exchange Division)

New Delhi, the 22nd December, 1988

### NOTIFICATION

S.O. 1194(E).—The Central Government, having considered the application for recognition made under section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), by the Madhya Pradesh Stock Exchange, Indore (hereinafter referred to as the said Exchange) and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants in exercise of the powers conferred by section 4 of the said Act, recognition to the said Exchange under section 4 of the said Act, on a permanent basis, in respect of contracts in securities subject to such conditions as may be prescribed or imposed hereafter.

[No. F. 1/101/SE/88]

S. VARADACHARI, Jt. Secy